सत्यमेव जयते

प्रियदर्शनी **FBNC** इकाई का शुभारम्भ

माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

श्री एमादुद्दीन अहमद ख़ान

के उद्‌बोधन

का प्रारूप

दिनांक– 15, अगस्त 2009

स्थान– जिला चिकित्सालय, अलवर

(1) मुझे हार्दिक प्रसन्नता हैं कि आज स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर नवजात शिशुओं के उपचार एवं देखभाल के लिए "प्रियदर्शिनी एफबीएनसी ईकाई" तथा "कुपोषण उपचार केन्द्र" का लोकार्पण किया जा रहा हैं।

(2) राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार राजस्थान में जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में से 65 बच्चों की विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो जाती हैं। जिसमें से लगभग तीन चौथाई बच्चों की जन्म के पहले माह में ही मृत्यु हो जाती हैं। अतः यह आवश्यक हैं कि नवजात शिशु को पहले माह में विशेष उपचार की सुविधा मिलें। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत वर्ष 2012 तक इसे 65 से घटा कर 32 प्रति हजार लाने का लक्ष्य रखा हैं। राज्य सरकार इस दिशा में सतत प्रयास कर रही हैं।बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इस वर्ष 25 करोड रूपये का प्रावधान रखा गया हैं।

(3) संस्थागत स्तर पर प्रत्येक जिला अस्पताल में प्रियदर्शिनी नवजात शिशु देखभाल इकाई स्थापित की जा रही हैं। राज्य में कुल 35 एफबीएनसी खोलने का प्रावधान हैं। इस इकाई में शिशुओं की गम्भीर बीमारियों जैसे न्यूमोनिया, दस्त, संक्रमण, पीलिया, समय से पूर्व जन्में बच्चों की बिमारियों का निदान, कम वजन वाले शिशुओं के उपचार इत्यादि की उच्चस्तरीय सेवायें प्रदान की जायेंगी। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत निर्माण कार्य, विशेष उपकरण एवं अतिरिक्त नर्सिंग स्टॉफ उपलब्ध करवाये गये हैं। 24 घंटे आपातकालीन सेवायें प्रदान करने के लिए इनमें कार्यरत विशषज्ञों तथा नर्सिंग कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान भी किये जा रहे हैं।

(4) नवजात शिशुओ को जिन स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बड़े शहरों अथवा मेडिकल कॉलेजों में जाना पडता था, उन उच्चस्तरीय सेवाओं की सुविधायें

जिला स्तर पर मिलने से अनेक शिशुओं की जान बचाई जा सकेगी। इससे लाभार्थी के समय और पैसे दोनो की बचत होगी।

(5) शिशु जीवन रक्षा की अगली कड़ी में राज्य के 100 चयनित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नवजात स्थायीकरण इकाई (New Born Stabilization Unit) स्थापित की जायेंगी। जिससे आम जनता को शिशु स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करवाई जा सकेगी। इन इकाईयों के खुलने से गम्भीर रूप से बीमार शिशुओं को प्राथमिक उपचार देकर रेफर किया जा सकेगा ताकि उन्हें रास्ते में होने वाली गम्भीर स्थिति से बचाया जा सके।

(6) शिशु मृत्यु दर को तेजी से कम करने के लिए संस्थाओं के साथ–साथ समुदाय में भी जागरूकता लाने की आवश्यकता है। घर–घर तक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवायें पहुचाने के लिए प्रदेश भर में विशेष कार्यक्रम IMNCI (Integrated Management of Neonatal and Childhood illness) चलाया जा रहा हैं। इसके तहत प्रत्येक एएनएम, ऑगनबाडी कार्यकर्ता एवं आशा सहयोगिनी को प्रशिक्षण दिलवाये जा रहे हैं ताकि वें छोटी–मोटी तकलीफ की घर पर ही जानकारी दे सकें एवं गम्भीर लक्षणों की पहचान कर समय रहते नवजात शिशु एवं बच्चों को उपयुक्त चिकित्सा संस्थान पर रेफर कर सके इस कार्यक्रम के तहत आवश्यक दवाईयों के किट भी उपलब्ध कराये गये हैं।
सरकार द्वारा माँ अथवा शिशु को रेफर करने के लिए निः शुल्क वाहन व्यवस्था की गई हैं ताकि अविलम्ब समुचित इलाज मिल सके। इस दिशा में 108 एम्बुलेंस पहले से ही कार्यरत हैं।

(7) प्रियदर्शिनी FBNC के साथ–साथ राज्य में 38 कुपोषण उपचार केन्द्र(Malnutrition Treatment Center) आरंभ किये जा रहे है।

राज्य में 44 प्रतिशत बच्चे किसी ना किसी रूप में कुपोषण का शिकार है और ऐसे बच्चों की रोग प्रतिरोधी क्षमता कम होने से हल्की बीमारी भी गंभीर लक्षण पैदा कर देती है। इन बच्चों को अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता होती है। कुपोषण उपचार केन्द्रों में बीमारी के निदान एवं उपचार के साथ–साथ पोषण भी प्रदान किया जाता है। बच्चे का उपयुक्त वजन बढ़ने तक उसे वही देखभाल हेतु रखा जाता है। इस अवधि में भर्ती बच्चे की माता को 30 रू. प्रतिदिन की सहायता राशि दी जाती हैं।

(8) ग्रामीण स्तर पर कुपोषण ग्रसित बच्चों को चिन्हित कर कुपोषण उपचार केन्द्र पर भेजने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग और महिला बाल विकास विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आशा सहयोगिनी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विशेष जानकारी प्रदान की जा रही है ताकि दूर–दराज क्षेत्रों में भी कोई बच्चा ईलाज से वंचित ना रह जाये। इन योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

(9) मैं इस शुभ अवसर पर प्रियदर्शिनी FBNC एवं MTC को अलवर की जनता को समर्पित करता हूं और शुभकामनायें प्रदान करता हूं कि इन दोनों केन्द्रों को मॉडल के रूप में विकसित करें ताकि दूसरे केन्द्र इनका अनुसरण कर सकें साथ ही चिकित्साकर्मियों से अपेक्षा करता हूं कि वे कर्तव्यनिष्ठा से कार्य संपादित करेगें।

जिला अलवर, दौसा एवं भरतपुर में FBNC के संचालन हेतु नॉर्वे सरकार द्वारा सहयोग प्रदान किया गया है जिसके लिए हम आभार व्यक्त करते हैं।

<u>जय हिन्द</u>